8 SEP 2019

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

मॉडल पेपर-II

(संपूर्ण पाठ्यक्रम)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (N-M)–M–**G16/8**

Name: सुनिल कुमार धनवंता **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): हिंदी **Reg. Number:** 7059

Center & Date: DELHI 2 07/09/2019 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं मिलेंगे।**
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये: 2 × 10 = 20

On the outline map of India provided to you, mark the status of all of the following. Write in your QCA Booklet the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural in not more than 30 words for each entry: 2 × 10 = 20

(i) सिंगफन वन्यजीव अभयारण्य

Singphan Wildlife Sanctuary

- नागालैण्ड राज्य में स्थित
- राज्य का प्रथम हाथी रिजर्व घोषित
- अभयारण्य में हाथी के अलावा गौण्डा, लंगूर इत्यादि भी पाए जाते हैं।
- जनजातीय क्षेत्र

(ii) कोल्लम

Kollam

- यह केरल में स्थित है।
- राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 3 पर स्थित
- यहां बैकवाटर्स हैं जहां मत्स्यपालन की व्यापक संभावनाएं हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) उदयपुर

Udaipur

- यह राजस्थान में स्थित है।
- प्राचीन काल में मेवाड़ राज्य का भाग
- व उदयसिंह द्वारा स्थापित
- झीलों की नगरी (पिछोला झील इत्यादि)
- अनेक भवन व हवेलियाँ - उम्मेद भवन पैलेस
- जावर खानें - चाँदी हेतु प्रसिद्ध

(iv) कीरू पनबिजली परियोजना

Kiru Hydroelectric Project

- मणिपुर की परियोजना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Sunil
Dhanwanta

Test 8

07/09/2019

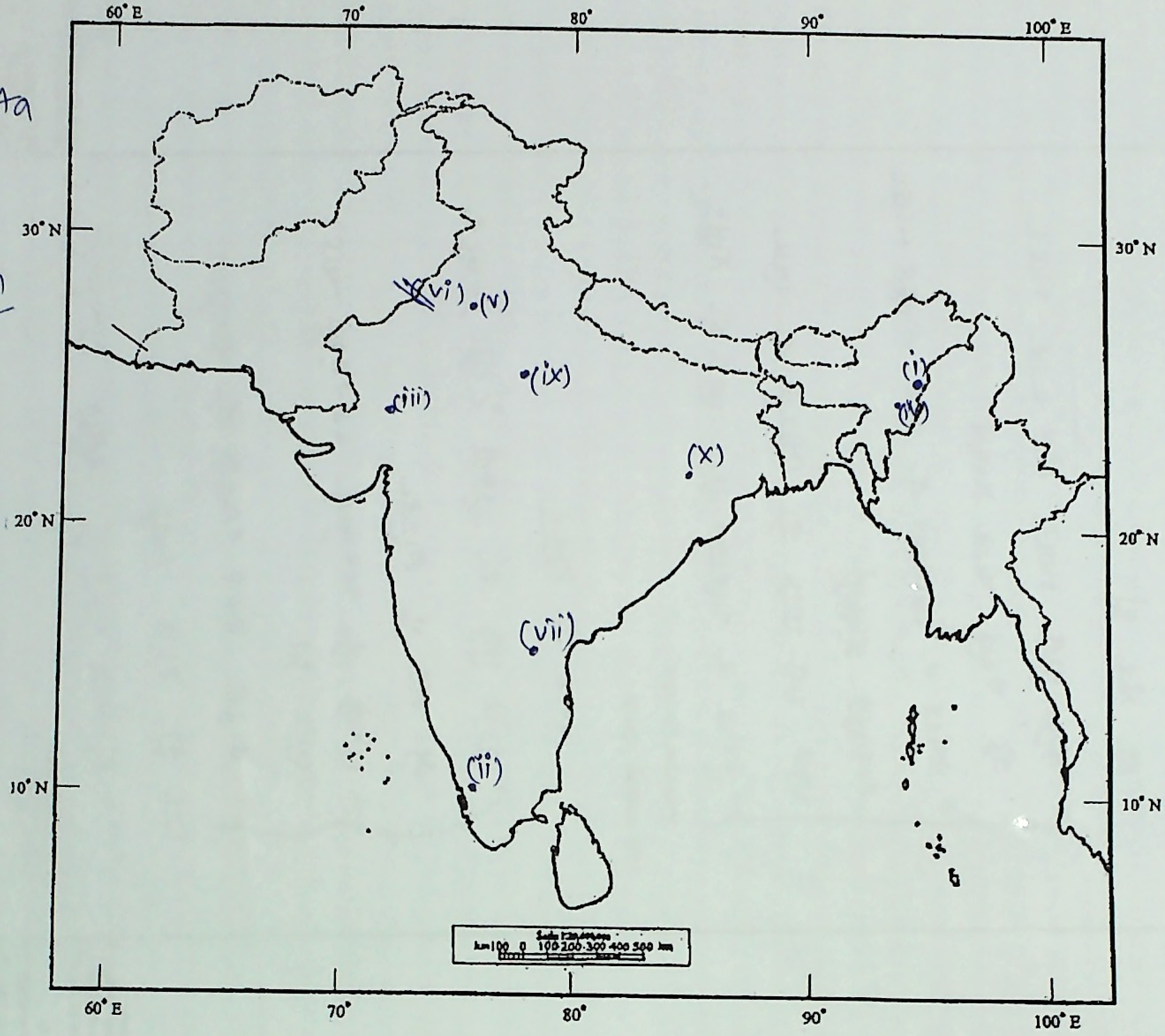

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(v) गुरुग्राम

Gurugram

- हरियाणा राज्य में स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सेवा नगरी
  - अनेक BPO कंपनियों के कार्यालय स्थित है।
  - दिल्ली के सहयोगी (अनुषंगी नगर) के रूप में भूमिका
  - रैपिड मेट्रो का विकास ; पॉड टैक्सी के विकास का प्रस्ताव

(vi) करतारपुर कॉरिडोर

Kartarpur Corridor

- भारत व पाकिस्तान में स्थित दो प्रसिद्ध सिख तीर्थ स्थलों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित कॉरिडोर
- भारत व पाकिस्तान के बीच धार्मिक सहयोग को बढ़ाने वाला प्रस्ताव
- दोनों तीर्थ स्थान गुरु नानक साहब से जुड़े हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(vii) तिरुपति

Tirupati

- यह आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थान है।
- यहाँ तिरुपति बालाजी का मन्दिर है जहाँ रोजाना हजारों लोग दर्शन के लिए आते हैं।
- यह भारत के सबसे धनी मन्दिरों में से एक है।

(viii) दमदमा झील

Damdama lake

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ix) झाँसी

Jhansi

→ यह उत्तरप्रदेश में स्थित एक जिला है जिसका अत्यंत ऐतिहासिक महत्त्व है।

→ यह जगह वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई से जुड़ी है जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया

→ यह बुंदेलखण्ड क्षेत्र में आता है तथा आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है।

(x) डालमिया नगर

Dalmianagar

→ यह झारखण्ड में स्थित एक औद्योगिक नगर है।

→ डालमिया ग्रुप की कंपनियों के स्थापित होने से नामकरण

→ यहाँ सीमेंट कारखानें, ऑटोमोबाइल कारखाने, इस्पात कारखानें इत्यादि पाये जाते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सिन्धु-गंगा जलोढ़क की शैल संरचना को स्पष्ट कीजिये। 10

Explain the rock structure of the Indus–Gangetic alluvium. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सिन्धु गंगा जलोढक एक लगभग समतल मैदान है जिसका निर्माण हिमालय से नदियों द्वारा लाए गए अवसादों के जमाव के कारण हुई है।

शैल संरचना -

(i) यहाँ शैल अत्यंत मुलायम तथा असंगठित प्रकार की पाई जाती है।

(ii) यह जलोढक की गहराई लगभग 2000m से 3000m तक है।

(iii) मुलायम व सरंध्री (permeable) चट्टानों के कारण जल का आसानी से अंतःस्पंदन → भूजल की मात्रा काफी अच्छी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) यहाँ चट्टानों के खनिजों के आकार में भिन्नता पाई जाती है पर्वतीय पाद के पास मोटी-मोटी चट्टानें (बोल्डर, इत्यादि) पाई जाती है जबकि डेल्टा क्षेत्रों में काफी महीन खनिज पाए जाते है

(v) यहाँ पर नाइट्रोजन व फास्फोरस खनिजों की कमी जबकि अन्य खनिजों की प्रचुरता → कृषि की दृष्टि से उपजाऊ

सिंधु गंगा जलोढ़क

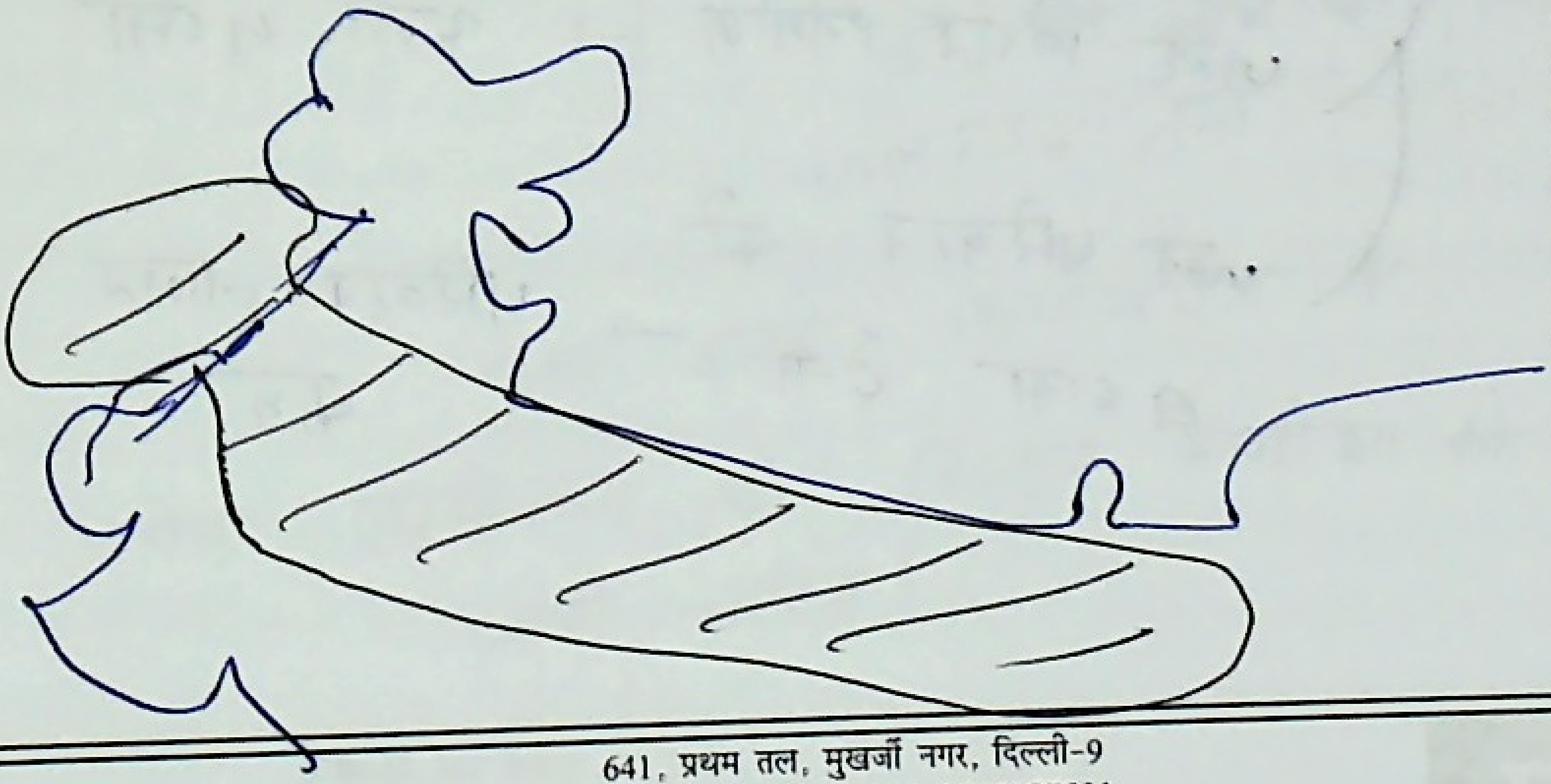

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) राष्ट्रीय जलग्रिड की आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। 10

Examine the economic and environmental feasibility of the national water grid. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में जलाधिक्य वाली नदियों को जलाभाव वाली नदियों को जोड़कर एक राष्ट्रीय जल ग्रिड के निर्माण की बात की जा रही है।

जल ग्रिड
- हिमालयी घटक
- प्रायद्वीपीय घटक

आर्थिक लाभ

- पेयजल की उपलब्धता ↑ → स्वास्थ्य ↑
- सिंचाई हेतु जल ↑ → कृषि विकास
- जल विद्युत निर्माण → ऊर्जा सुरक्षा
- जल परिवहन को बढ़ावा देना → परिवहन लागत कम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चुनौतियाँ

- भू उच्चावच ऊबड़ खाबड़ नहरों के निर्माण में भारी वित्तीय व्यय
- प्रायद्वीपीय भाग कम ऊँचा → मैदानी भाग में जल पहुंचाने के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता

~~पर्यावरणीय~~

पर्यावरण

लाभ

→ सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में जल उपलब्धता ↑
↓
वृक्षारोपण

हानियां

→ जैव विविधता के ह्रास की संभावना (उदाहरण - केन बेतवा लिंक में पन्ना अभ्यारण्य के बड़े भाग का जलमग्न होना

अतः इसके क्रियान्वयन से पूर्व प्रत्येक परियोजना की विस्तृत समीक्षा की जानी चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भारत में किसी भी नगर द्वारा प्रधान नगर का स्थान ग्रहण न कर पाने के कारणों को स्पष्ट कीजिये। 10

Explain the reasons why any city in India has not taken the place of the primate city. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रधान नगर का सिद्धांत.

मार्क जैफरसन द्वारा दिया गया था। इसके अनुसार किसी देश के सबसे बड़े नगर का आकार उसके दूसरे सबसे बड़े नगर का कम से कम दो गुना होता है।

भारत के परिप्रेक्ष्य में देखने पर यहाँ कोई प्रधान नगर दिखाई नहीं देता।

जैसे- दिल्ली की जनसंख्या व मुंबई की जनसंख्या का लगभग बराबर होना

कारण:

(1) भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान चारों नगरों कोलकाता, मद्रास, बंबई व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दिल्ली पर लगभग समान बल दिया गया।

(ii) भारत के विशाल आकार तथा विविधता के कारण कोई एक नगर प्रमुखता ग्रहण नहीं कर पाया। जैसे मध्यप्रदेश के एक श्रमिक के पास दिल्ली, मुंबई, ~~मुंबई~~ चेन्नई व कोलकाता सभी जगह जाने का विकल्प होता है।

(iii) रियासती शासन - इस दौरान वो अपनी अपनी राजधानियों के विकास पर बल देते थे। इस कारण कोई एक स्थान पूर्णतया विकास कर प्रमुख नगर का स्वरूप नहीं ले पाया।

हालाँकि भारत में राज्य स्तर पर अनेक प्रमुख नगर पाए जाते हैं। उदाहरण कोलकाता

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3. (a) भारत के पेट्रोलियम परिदृश्य पर प्रकाश डालिये तथा वर्तमान वैश्विक घटनाओं के उस पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की चर्चा कीजिये। 20

Throw light on the petroleum scenario of India and discuss the possible effects of prevailing current global events on it. 20

किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास में ऊर्जा सुरक्षा की अति महत्वपूर्ण भूमिका होता है। ऊर्जा संसाधनों में पेट्रोलियम सर्वाधिक प्रयुक्त होने वाला पदार्थ है।

भारत में पेट्रोलियम अनेक स्थानों पर पाया जाता है-

(i) असम क्षेत्र. डिग्बोई, साकूम, नाहरकटिया

(ii) मुंबई हाई व बसीन क्षेत्र

(iii) खंभात की खाड़ी

(iv) बाड़मेर का मंगला तेल क्षेत्र

परंतु ये सब भारत की तेल मांग को पूरा करने में सक्षम नही हैं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः भारत को अपने तेल आवश्यकताओं का लगभग 75% बाहर से आयात करना पड़ता है जिससे भारत को चालू खाता घाटा तथा ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ता है।

तेल बाजार पर अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं का व्यापक प्रभाव पड़ता है जिससे भारत भी गंभीर रूप से प्रभावित होता है।

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं का प्रभाव -

(1) ईरान पर अमेरिकी प्रतिबन्ध - अमेरिका द्वारा ईरान पर JCPOA (संयुक्त व्यापक व्यापक कार्ययोजना) के कथित उल्लंघन का आरोप लगाकर प्रतिबन्ध आरोपित किए गए है तथा उससे तेल खरीदने वाले देशों पर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटरः twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी प्रतिबन्ध आरोपित करने की चेतावनी दी है। इससे भारत के समक्ष संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा भाग ईरान से खरीदता था।

(ii) वेनेजुएला संकट -
विपक्षी दल के नेता का विद्रोह तथा अमेरिका द्वारा प्रतिबन्ध
भारत को भी तेल न खरीदने की सलाह

(iii) कतर संकट

(iv) सीरिया गृह युद्ध

(v) यमन गृह युद्ध

उपर्युक्त घटनाओं के परिणामस्वरूप भारत को क्षति उठानी पड़ती है अतः भारत को ऊर्जा के स्वदेशी साधनों के खोज के प्रयास तथा स्वच्छ ऊर्जा विकास को बढ़ाने पर बल देना चाहिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में प्रादेशिक विकास कार्यक्रमों का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिये। 15

Critically evaluate regional development programmes in India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भौगोलिक, आर्थिक तथा सामाजिक कारकों के फलस्वरूप भारत में प्रादेशिक विषमता देखने को मिलती है। भारत में तृतीय पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रादेशिक विकास कार्यक्रमों को संचालित करने का प्रयास किया गया।

प्रमुख प्रादेशिक विकास कार्यक्रम-

(i) जनजातीय विकास कार्यक्रम- जनजातीय क्षेत्रों के आर्थिक व सामाजिक विकास हेतु
↳ जनजातीय उपयोजना का प्रावधान

(ii) सूखा क्षेत्र विकास योजना (DPAP)
→ रोजगार विकास, गरीबी उन्मूलन
→ जल संरक्षण कार्यक्रम

(iii) मरुस्थलीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम -

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इसमें मरुस्थलीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण, जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन, गरीबी उन्मूलन, पशुपालन पर बल दिया गया।

(iv) पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम

(v) द्वीपीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम

कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम-

(i) लोगों की आजीविका में वृद्धि देखी गई

(ii) हजारों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए।

(iii) देश के पिछड़े एवं उपेक्षित क्षेत्रों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित हुआ

(iv) पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि विकास (बागानी कृषि)

(v) जनजातीय क्षेत्रों की साक्षरता में वृद्धि तथा आजीविका में सुधार।

परंतु आज भी देश के ये क्षेत्र विकास की अपेक्षित गति को

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्राप्त करने में असफल रहे है जिससे देश में असमानता की खाई में वृद्धि हुई है।

<u>आलोचना के बिन्दु:-</u>

(i) वर्तमान में देश की लगभग 21% जनसंख्या गरीबी रेखा के अंतर्गत

(ii) जनजातीय क्षेत्रों में साक्षरता देश के औसत से काफी कम (लगभग 55%)

(iii) मरुस्थलीय क्षेत्रों का विस्तार इत्यादि

इसके लिए इन कार्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात इनको इन क्षेत्रों की वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप ढालकर एक स्पष्ट रणनीति व प्रशासनिक कार्यदक्षता के साथ अनुपालन की आवश्यकता है ताकि देश में असमानता को कम कर समावेशी विकास को बढ़ाया जा सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में प्रजननता के प्रादेशिक प्रतिरूप में भिन्नता को उसके निर्धारक कारकों के संदर्भ में व्याख्यायित कीजिये। 15

Explain the variation in the regional pattern of fertility in India in terms of its determinant factors. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत की औसत प्रजननता 2.3 है। वस्तुतः प्रजननता एक महिला द्वारा अपने प्रजनन काल के दौरान पैदा किए गए औसत बच्चों की संख्या है। भारत में प्रजननता के प्रादेशिक वितरण में काफी असमानताएँ देखने को मिलती है।

प्रजननता को प्रभावित करने वाले कारक

- आर्थिक
- सामाजिक
- भौगोलिक
- धार्मिक
- अन्य

(1) आर्थिक कारक: भारत के गरीब राज्यों में सामान्यतः प्रजननता अधिक पाई जाती है जबकि भारत के विकसित राज्यों में कम। बिहार में प्रजनता की दर का

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सर्वाधिक होना इसका प्रमाण है।

(ii) सामाजिक कारक -

↳ शिक्षा का स्तर - साक्षरता दर के ज्यादा होने पर प्रजननता में कमी देखने को मिलती है विशेषतः महिला साक्षरता में

उदाहरण - केरल। जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में प्रजननता अधिक पाई जाती है।

→ जनजातीय क्षेत्रों में भी साक्षरता कम होने के कारण प्रजननता अधिक पाई जाती है।

→ महिलाओं की स्थिति तथा पितृसत्तात्मकता

पुत्र प्राप्ति की इच्छा के कारण प्रजननता की दर में वृद्धि होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इसके उदाहरण उत्तरी मैदानी राज्य है।

(iii) धार्मिक कारक : कई धर्मों में बहुपत्नी प्रथा के होने के कारण प्रजननता ज्यादा देखने को मिलती है।

(iv) प्रशासनिक राजनैतिक कारक- लोकसभा में सीटो की संख्या को 2026 तक स्थिर बनाने के प्रावधान के कारण दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रजनन दर में कमी देखने को मिली है।

प्रजनन दर अधिक होने से जनसंख्या वृद्धि के तीव्र होने के कारण अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है अतः उचित नीति के द्वारा (साक्षरता, जागरूकता, यौन सुरक्षा) इसे प्रतिस्थापन दर (2.1) तक लाने का प्रयास करना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख/ SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) भारत में बहुस्तरीय नियोजन के स्वीकृत स्तरों तथा इसकी आवश्यकता को रेखांकित कीजिये।

Outline the accepted levels of multilevel planning in India and its need.

भारत में विकास को निचले स्तर तक पहुंचाने के लिए बहुस्तरीय नियोजन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया है।

(i) राष्ट्रीय स्तर

- राष्ट्रीय योजना निर्माण, राज्यों की योजनाओं का समेकन करना
- प्रमुख नियोजन स्तर

(ii) राज्य स्तर:

- क्षेत्रीय स्तर पर योजना निर्माण करना
- सभी जिलों की योजनाओं का एकीकरण करना
- संघात्मक व्यवस्था का प्रतीक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) जिला स्तर -
- नियोजन के क्रियान्वयन की प्रमुख इकाई
- प्रशासनिक सुगमता व आंकड़े एकत्रित करना आसान

(iv) ब्लॉक स्तर
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत गठित
- कई पंचायतों को मिलाकर निर्माण
- स्थानीय नियोजन

(v) पंचायत स्तर - सबसे निचला स्तर
- स्थानीय संसाधनों का सदुपयोग

आवश्यकता

(i) भारत का विशाल आकार तथा भौगोलिक विविधता

(ii) संघात्मक व्यवस्था

(iii) क्षेत्रीय आर्थिक असंतुलन

(iv) स्थानीय संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल हेतु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सेतुसमुद्रम परियोजना से जुड़े लाभों तथा इससे जुड़ी आशंकाओं पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the benefits and threats associated with the Sethusamudram Project.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

यह योजना पाल्क खाड़ी को मन्नार की खाड़ी से नहर के माध्यम से जोड़ने का प्रस्ताव रखती है। यह पनामा नहर की तरह है।

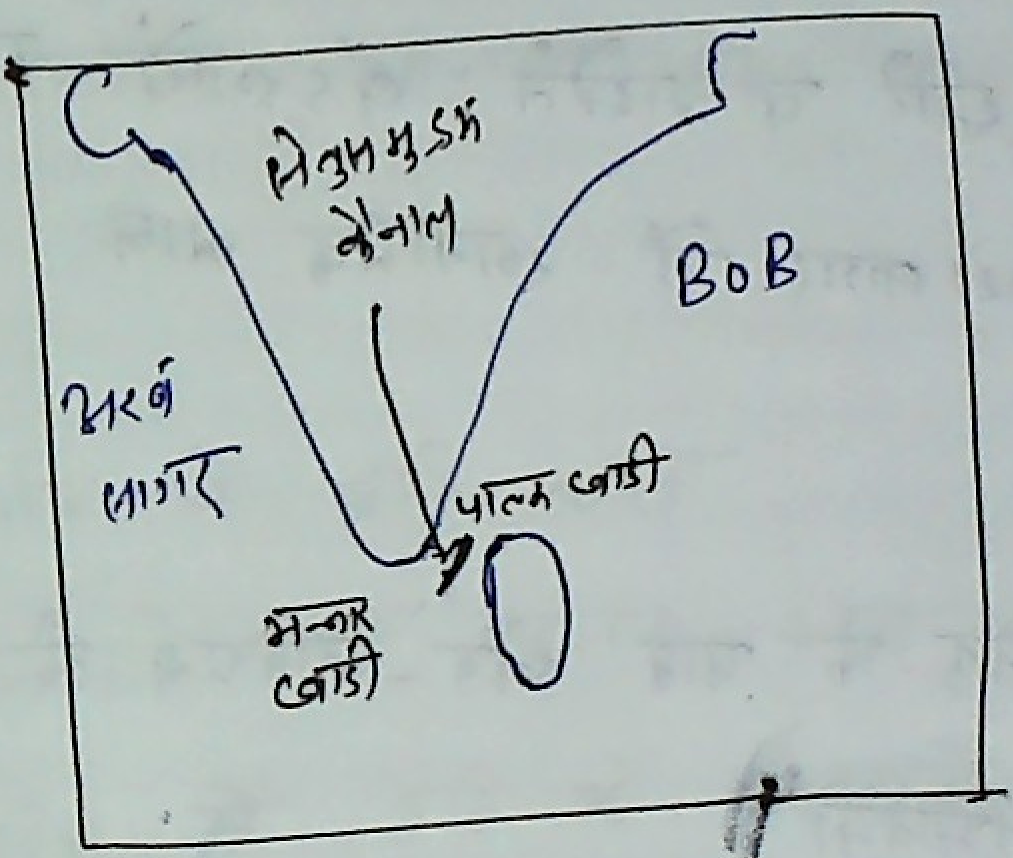

लाभ

(1) भारत के पश्चिमी व पूर्वी तटीय क्षेत्रों के बीच दूरी कम

→ दोनों तटों के बीच जुड़ाव में वृद्धि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

→ व्यापार - वाणिज्य में वृद्धि

→ दूरी कम → परिवहन खर्च कम

→ ऊर्जा की बचत

→ बेहतर सुरक्षा व्यवस्था

→ छोटे व मझोले बंदरगाहों का विकास

(ii) हिंद महासागर में रणनीतिक लाभ

आशंकाएँ

(i) रामसेतु के पास जैव-विविधता के ह्रास की संभावना

(ii) भारी मात्रा में तलकर्षण (dredging) की आवश्यकता

(iii) अवसादीकरण की मात्रा ↑ → परिवहन में बाधा

(iv) भारी मात्रा में वित्तीय निवेश

परियोजना के विस्तार से अध्ययन के पश्चात ही निर्णय लिया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एकीकृत टेक्सटाइल पार्क योजना के उद्देश्यों व संभावनाओं की चर्चा कीजिये।

Discuss the objectives and possibilities of Scheme for Integrated Textile Parks (SITP).

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत वस्त्रों के निर्यात में विश्व में प्रमुख स्थान रखता है। वस्त्र उद्योग के लिए एकीकृत टेक्सटाइल पार्क योजना एक महत्वपूर्ण योजना है।

उद्देश्य

(i) निर्यात में वृद्धि करना

(ii) रोजगारों का सृजन करना

(iii) निवेश में वृद्धि के अवसरों में वृद्धि करना

इस योजना के अंतर्गत एक ही स्थान पर वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक सभी सुविधाओं का विकास किया जाएगा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ताकि वस्त्र उद्योग के विकास को तीव्र गति से बढ़ाया जा सके

संभावनाएँ

(i) भारत में कपास उत्पादन के लिए उपजाऊ भूमि मौजूद (काली मिट्टी)

(ii) सस्ता व कुशल श्रम उपलब्ध

(iii) ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता → जल विद्युत

(iv) ~~नम~~ उष्ण व आर्द्र जलवायु

(v) निर्यात हेतु बंदरगाह सुविधाएं

परंतु वस्त्र उद्योग वर्तमान में अकुशल प्रौद्योगिकी, विदेशी प्रतिस्पर्धा, श्रम सुधारों की कमी जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका उचित समाधान आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भारत में जलोढ़ मृदा के विस्तार तथा इसके कृषि संबंधी महत्त्व को बताइये।

Explain the vastness of alluvial soil in India and its agricultural importance.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार भारत में 8 प्रकार की मृदाएँ पाई जाती है जिसमें जलोढ़ मृदा का सर्वाधिक विस्तार पाया जाता है।

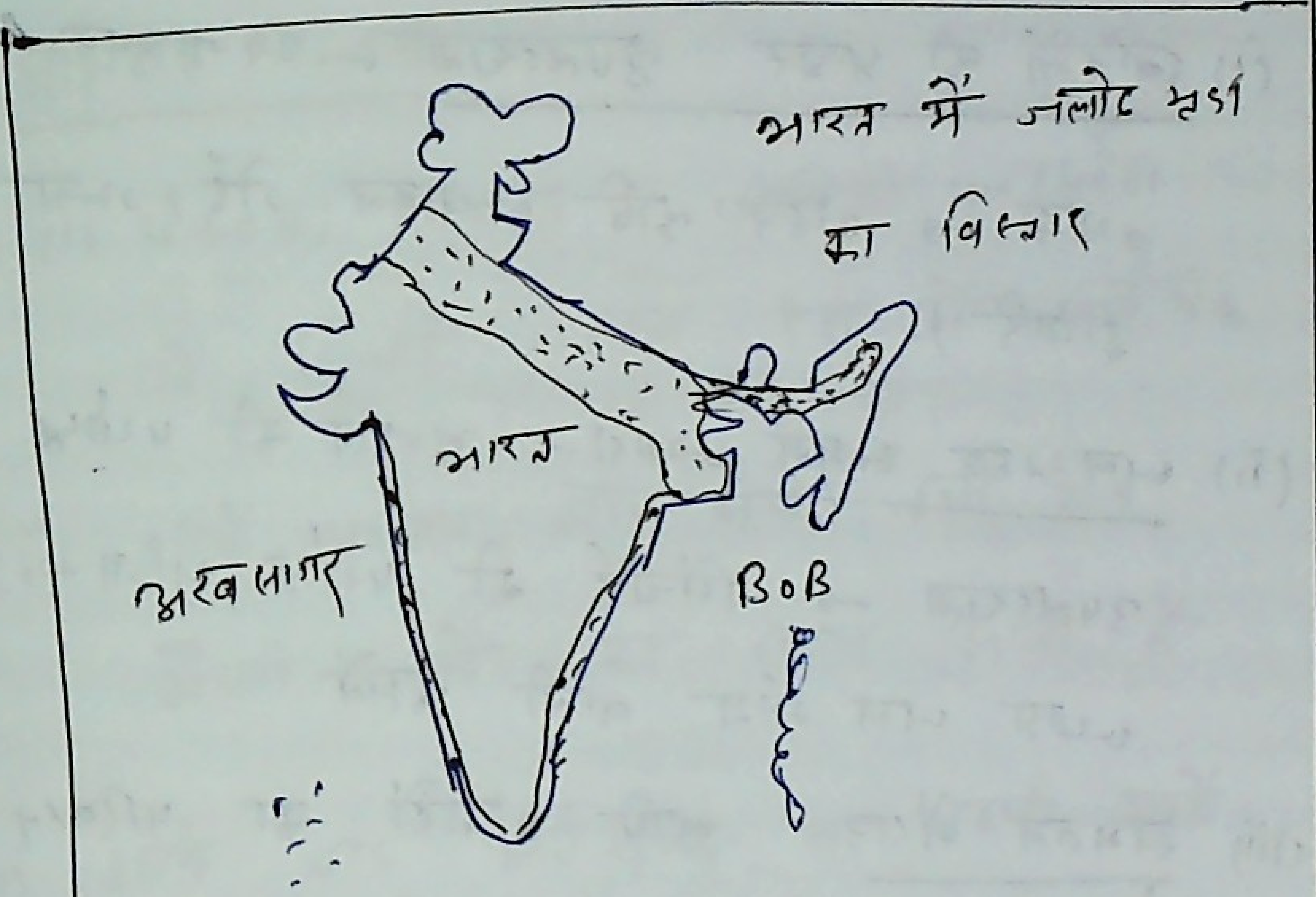

जलोढ मृदा का विस्तार

उत्तर के विशाल मैदान (राजस्थान, पंजाब,

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल), ब्रह्मपुत्र मैदान तथा तटीय क्षेत्रों में पायी जाती है।

कृषि संबन्धी महत्त्व

(i) खनिजों की प्रचुर उपलब्धता - उपजाऊपन ज्यादा → गहन कृषि (चावल, गेहूँ, गन्ना इत्यादि)

(ii) जलग्रहण क्षमता ज्यादा - भूजल की पर्याप्त उपलब्धता → सिंचाई की पर्याप्त मात्रा → ज्यादा जल मांग वाली फसलें

(iii) समतल मैदान. कृषि उत्पादों का परिवहन आसान
→ गहन जनसंख्या. सस्ता व सुलभ श्रम

(iv) उर्वरकों के प्रयोग के बाद प्रचुर उपजाऊपन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारत में सिंचन गहनता में प्रादेशिक भिन्नता तथा उसके कारणों पर प्रकाश डालिये।

Explain the regional variation in irrigation intensity in India and its causes.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में सिंचाई गहनता में पर्याप्त प्रादेशिक भिन्नता देखने को मिलती है। सिंचाई गहनता कृषि उत्पादकता से संबन्धित होती है।

प्रादेशिक भिन्नता.

(i) पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तरप्रदेश में सिंचाई गहनता देश में सर्वाधिक

(ii) इसके पश्चात तटीय क्षेत्रों तथा शेष मैदानी भागों का स्थान आता है

(iii) इसके बाद अर्द्धशुष्क व पहारी भागों का स्थान है।

(iv) सिंचाई की सबसे कम गहनता मरुस्थलीय

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तथा वर्षा विहीन क्षेत्रों में पायी जाती है।
इसमें पाश्चिमी राजस्थान व अन्य शुष्क प्रदेश शामिल है।

कारण:

(i) वर्षा के वितरण में असमानता. जहाँ मेघालय के मनसिवराम में 1100 cm वर्षा होती है वहीं पाश्चिमी राजस्थान में केवल 25 cm.

(ii) हरित क्रान्ति → सस्ता ~~ऋण~~ ऋण → सिंचाई साधन विकास → सिंचाई गहनता ↑

(iii) बिजली की उपलब्धता तथा भूजल की पर्याप्तता

कुप्रभाव:
- भूमि में लवणता का सवाल
- भूजल में तीव्र गिरावट
- पेयजल की कमी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

6. (a) लघु व मध्यम उद्यमों की स्पर्द्धा क्षमता में वृद्धि के लिये सरकार द्वारा किये गए हालिया प्रयासों को रेखांकित कीजिये। 20

Outline the recent efforts made by the government to increase the competitiveness of small and medium enterprises. 20

भारत में लघु एवं मध्यम उद्योग अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इसके साथ ही रोजगार सृजन, निर्यात संवर्द्धन तथा ग्रामीण विकास में भी महत्ती भूमिका का निर्वहन करते हैं।

परंतु वर्तमान में भारत में ये उद्यम संकट का सामना कर रहे हैं, जिसके प्रमुख कारण हैं-

(i) इनको संस्थागत ऋण तक सीमित पहुँच

(ii) श्रम सुधारों का अभाव

(iii) उत्पादकता का कम होना

(iv) उन्नत और आधुनिक तकनीक का अभाव

(v) विदेशी वस्तुओं जैसे चीनी उत्पादों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्द्धा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) निर्यात का अपेक्षित स्तर पर न होना

सुधार हेतु सरकार के प्रयास-

(i) MUDRA बैंक - इन उद्यमों को सस्ती दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रारंभ
(कोई चीज गिरवी रखने की आवश्यकता नहीं

(ii) श्रम सुधार - इसके लिए सरकार श्रम कानूनों के अनुपालन को सरल बनाने के लिए सभी श्रम कानूनों को 4 श्रम संहिताओं में समेकित करने का प्रयास कर रही है।

(iii) विदेशी व्यापार नीति 2015-2020 - इसमे MSMEs को विशेष छूट प्रदान करने की बात कही गई है ताकि निर्यात संवर्द्धन को बढ़ावा किया जा सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) बजट 2019-20 - इसमें GST के अनुपालन को आसान बनाने के लिए कंपोजीशन स्कीम की सीमा में वृद्धि की गई है।

(v) स्टार्टअप इण्डिया. इसमें इन उद्यमों में नवाचार संवर्द्धन पर बल दिया जाता है।

(vi) सरकारी खरीद पोर्टल 'GEM' में msMEs को प्रोत्साहन

संकट के समाधान के लिए उपर्युक्त प्रयासों को गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है ताकि आर्थिक विकास के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन तथा समावेशी विकास लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत के आयात संघटन में आए बदलावों पर प्रकाश डालिये तथा यह भी स्पष्ट कीजिये कि क्या कारण है कि तीव्र आर्थिक विकास के बावजूद भारत में विपरीत भुगतान संतुलन की स्थिति बनी हुई है। 15

Throw light on the changes in the import composition of India and also explain what is the reason that despite the rapid economic growth, the situation of deficit balance of payments in India still remains. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

आयात संघटन के अंतर्गत आयात में शामिल वस्तुओं के प्रतिशत योगदान को देखा जाता है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत के आयात संघटन में कई प्रकार के बदलाव देखने को मिले हैं-

बदलाव :

(1) पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात में कमी

(ii) खाद्यान्नों के आयात में भारी कमी (भारत अब निर्यातक बन चुका है)

(iii) तेल आयात के योगदान में भारी वृद्धि

(iv) रक्षा उत्पादों के आयात में वृद्धि देखने को मिली है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(V) कई वस्तुओं के लिए कच्चे माल के आयात में वृद्धि

भारत 1991 के बाद तीव्र आर्थिक वृद्धि कर रहा है परंतु इसके बाद आज तक भुगतान संतुलन की स्थिति ज्यादातर नकारात्मक ही देखने को मिल रही है।

कारण :-

(i) पेट्रोलियम उत्पादों का बढ़ता आयात- आर्थिक विकास के साथ बढ़ती ऊर्जा माँगों तथा स्वदेशी आपूर्ति के पर्याप्त न होने के कारण तेल आयात पर भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा का व्यय करना पड़ता है।

(ii) भारत द्वारा कच्चे माल का निर्यात- जापान व चीन को कच्चे लौहे का निर्यात करके इस्पात का आयात → व्यापार घाटा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ता संरक्षणवाद

(iii) निर्यात प्रतिस्पर्धा → लाल क्रम

(iv) कृषि निर्यात का अपेक्षित स्तर पर न पहुँच पाना

(v) रक्षा उत्पादों का भारी मात्रा में आयात

(vi) भारत के उद्योगों के निर्यात संवर्द्धन की कमी (विशेषतः MSMEs)

इस परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार नीति (2015-20), कृषि निर्यात नीति, रक्षा उत्पादों का स्वदेशी निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम इत्यादि प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भुगतान संतुलन को सकारात्मक बनाकर आर्थिक विकास को बढ़ाया जा सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) संरक्षणवादी नीतियों में नए उभार का भारत के विदेश व्यापार की दिशा पर प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये। 15

Evaluate the impact of the new outbreak in protectionist policies on the way of India's foreign trade. 15

अमेरिका द्वारा अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इसी परिप्रेक्ष्य में उसने भारत को प्राप्त GSP (Generalized system preference) का दर्जा समाप्त कर दिया है।

इसके साथ ही उसने भारत के इस्पात व एलुमिनियम उत्पादों पर भारी मात्रा में शुल्क आरोपित किया है। इसके साथ ही H1B वीजा के कठोर मानदण्ड भी स्थापित किए हैं।

भारत के विदेश व्यापार की दिशा पर प्रभाव.

(i) भारत के अमेरिकी निर्यातों का महँगा होना

(ii) चीन. अमेरिका व्यापार युद्ध- इसमें भारत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है

(ii) भारत मध्य एशिया में व्यापार के नए अवसरों की तलाश कर रहा है

(iii) भारत आसियान के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की ओर ध्यान दे रहा है

(iv) बिम्सटेक के देशों के साथ तथा सार्क देशों के साथ व्यापार में वृद्धि करने का प्रयास

(v) अफ्रीका के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने का प्रयास

(vi) अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद रूस से हथियारों की खरीद (S-400 वायु रक्षा प्रणाली की जा रही है

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रवृत्ति से भारत को लाभ-

(i) अमेरिका चीन को दरकिनार कर भारत के साथ अपने संबन्ध मज़बूत करना चाहेगा

(ii) भारत-चीन व्यापार में वृद्धि की संभावना

~~संरक्षणवाद~~ संरक्षणवाद के कारण भारत को व्यापार में काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है अतः भारत को व्यापार के नये विकल्प तलाशने, WTO की भूमिका को मजबूत करने इत्यादि प्रयास करना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) संयुक्त राष्ट्र द्वारा गंगा नदी को विश्व की तेज़ी से सिकुड़ती नदियों में से एक के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके तार्किक कारणों की चर्चा करते हुए समाधान के उपायों को बताएँ। 20

The Ganges river has been marked as one of the world's fastest shrinking rivers by the United Nations. Discussing its logical reasons, suggest remedial measures for its solution. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्तमान में अनेक कारकों के परिणामस्वरूप गंगा नदी के क्षेत्रफल में कमी आ रही है जिसकी वजह से भारत में अनेक संकट आने की संभावना है क्योंकि गंगा नदी को भारत में जीवनदायनी नदी की संज्ञा दी जाती है।

सिकुड़ने के कारण

(i) जलवायु परिवर्तन- तापमान के बढ़ने के कारण गंगा नदी के मुख्य स्रोत हिमनदों का पिघलन की दर तेज हो रही है तथा जमाव की दर कम है। इसकी वजह से पानी की आपूर्ति में कमी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आ रही है

(ii) मानसून की विफलता- वर्षा की मात्रा के कम होने के कारण गंगा नदी के आयतन में कमी आ रही है

(iii) बाँधों का निर्माण- जलविद्युत [illegible] उत्पादन के लिए बांधों के निर्माण के कारण जल प्रवाह में कमी

(iv) जलग्रहण क्षेत्र में कमी- गंगा नदी की सहायक नदियों में पानी की कमी के कारण जलआपूर्ति में कमी

(v) अतिक्रमण- गंगा नदी के बहाव क्षेत्र में कमी

(vi) जल प्रदूषण व नहरों का निर्माण

इसके समाधान हेतु

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपाय :-

(i) ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाना। इसके लिए क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर साझे प्रयासों की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके

(ii) जल ग्रहण क्षेत्र में वृक्षारोपण - सामाजिक वानिकी व कृषि वानिकी का पालन → वर्षा में वृद्धि की संभावना

(iii) खेतों में जल उपयोग दक्षता में वृद्धि - प्रति बूँद ज्यादा फसल पर जोर

इसके साथ ही अतिक्रमण को हटाने, बाँधों द्वारा नदी के स्तर को स्वस्थ स्तर पर बनाये रखने की आवश्यकता है ताकि नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बचाकर अनेक संभावित संकटों से बचा जा सके

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) भारत में ग्रामीण अधिवासों की आकारिकी को स्पष्ट करते हुए उसमें आए बदलाव के कारणों पर प्रकाश डालिये। 15

While explaining the morphology of rural habitats in India, throw light on the reasons for this change. 15

ग्रामीण अधिवासों की आकारिकी के अंतर्गत अधिवासों के ज्यामितीय स्वरूप तथा आंतरिक बनावट पर बल दिया जाता है। भारत में व्याप्त विविधता के कारण ग्रामीण अधिवासों की आकारिकी में भी काफी विविधता देखने को मिलती है।

आकारिकी

(1) आयताकार- उपजाऊ भूमि के क्षेत्रों में सघन आवासों की आकारिकी सामान्यतः आयताकार देखने को मिलती है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) निहारिका (Nebula) · भारत में जमींदारी प्रथा के परिणामस्वरूप ~~सम्पूर्ण~~ गाँव के सारे घर जमींदार के घर के आसपास बस जाते हैं।

(iii) पुरवा या हेमलेट युक्त अधिवास. भारत में जाति व्यवस्था से उत्पन्न पवित्रता एवं अपवित्रता के सिद्धांत के कारण गाँव में अलग-अलग पुरवों का विकास हो जाता है।

आकारिकी के बदलाव के कारण

(i) सामाजिक-अनुष्ठान के कारण दूरी का अधिकतम होना – इसमें निचली जाति के लोगों का घर उच्च जाति के घरों से दूर तथा दक्षिण दिशा में बनाया जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) कार्य की निर्भरता के कारण दूरी-न्यूनतम -

गाँव में सभी जातियां जजमानी प्रथा के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ी होती है इसलिए जब जमींदार को श्रमिकों की आवश्यकता होती है तो वे वहीं पास में बस जाते हैं। इससे अधिवासों के बीच दूरी में कमी आती है।

इस प्रकार भारत में ग्रामीण आकारिकी को भौगोलिक, आर्थिक, धार्मिक व सामाजिक कारक प्रभावित करते हैं। वर्तमान में इन कारकों में बदलाव के फलस्वरूप आकारिकी में बदलाव देखने को मिल रहा है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) भारत में महामारियों के विकास के कारकों तथा इनकी रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा कीजिये। 15

Examine the factors for the extension of epidemics in India and preparedness to prevent them. 15

हाल ही में बिहार राज्य में 'AES सिंड्रोम' के भयानक रूप धारण करने के कारण सैंकड़ो बच्चों की मृत्यु हो गई। इसी प्रकार केरल में निपाह वायरस के दौरान भी ऐसी स्थिति देखी गई थी,

भारत में ये रोग कभी-कभी महामारी का रूप धारण कर लेते हैं। जिसके प्रमुख कारक हैं:-

(1) स्वास्थ्य सुविधाओं का निम्न स्तर

→ अवसंरचना का अभाव (अस्पताल में बेड की संख्या, जाँच सुविधाएँ इत्यादि)

→ मानव संसाधनों की कमी - भारत में जनसंख्या के अनुपात में डॉक्टर्स की

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारी कमी का सामना करना पड़ता है।

↳ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का निम्न स्तर पर होना

(ii) शिक्षा का निम्न स्तर

(लोगों में रोगों के प्रति जागरूकता का अभाव → रोकथाम उपायों की कमी

→ 'WASH' मानक (WHO) के अनुपालन में कमी

→ ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का निम्न स्तर एवं उपयुक्त टीकाकरण का अभाव

(iii) उपचारात्मक स्वास्थ्य पर ज्यादा बल

(निवारक स्वास्थ्य (preventive health) पर कम बल

(iv) निवेश की कमी. स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी निवेश व निजी निवेश की भारी कमी

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रोकथाम की तैयारियाँ

(i) इंद्रधनुष अभियान के माध्यम से टीकाकरण
(ii) परिवार नियोजन व जागरूकता अभियान
(iii) आयुष्मान भारत कार्यक्रम - निवारात्मक स्वास्थ्य पर बल, स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश ↑
(iv) स्वच्छ भारत कार्यक्रम व 'WASH' रणनीति

परंतु उपर्युक्त तैयारियाँ

चुनौतियों का सामना कर रही है अतः स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ाकर, अवसंरचना उन्नयन तथा मानव संसाधन विकास के माध्यम से महामारी रोकथाम का प्रयास करना चाहिए।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation